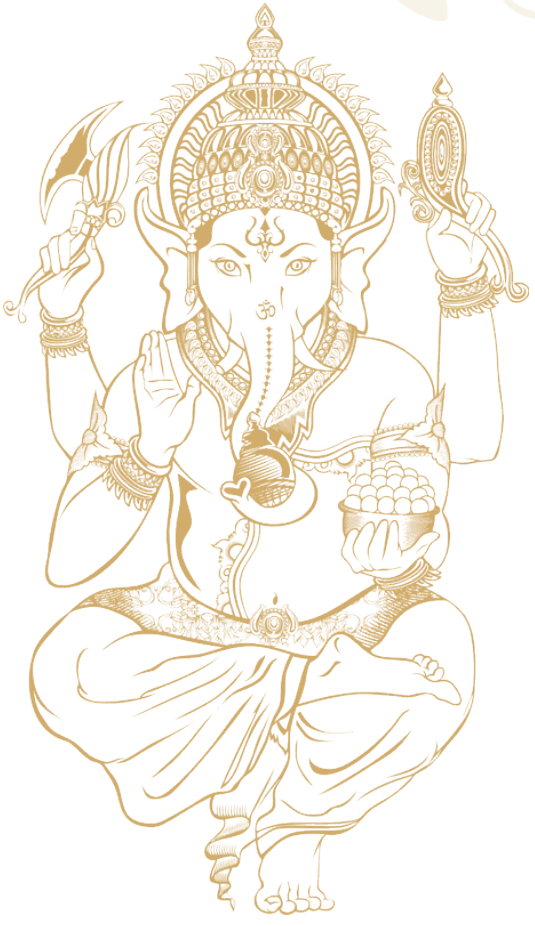

Prachi Singh

10 Aug 2005

12:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121215402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/08/2005**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:20:00 घंटे**
इष्ट	16:21:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:22 घंटे
साम्पातिक काल	09:14:17 घंटे
सूर्योदय	05:47:31 घंटे
सूर्यास्त	19:04:54 घंटे
दिनमान	13:17:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:48:50 कर्क
लग्न के अंश	18:21:00 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:21:00	308:27:47	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	23:48:50	00:57:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	20:37:51	12:17:58	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	13:19:18	00:31:22	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	स्वराशि
बुध	व	अ	कर्क	16:40:44	00:35:11	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	20:46:45	00:09:33	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	27:55:29	01:11:32	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	09:15:00	00:07:36	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	21:10:05	00:00:04	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	21:10:05	00:00:04	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	15:41:33	00:02:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	22:13:31	00:01:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	28:01:43	00:00:42	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कर्क	22:10:37	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:04

लग्न-चलित

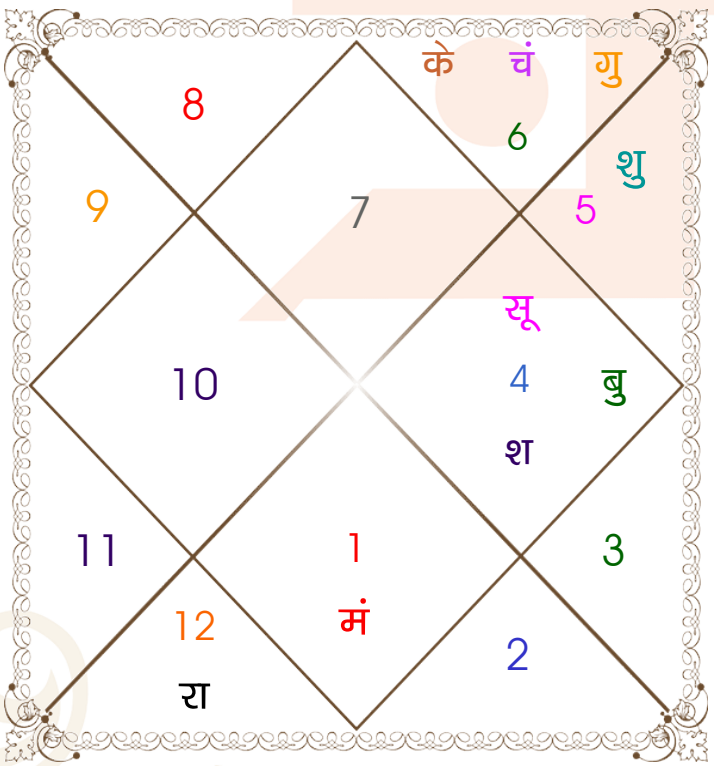

चन्द्र कुंडली

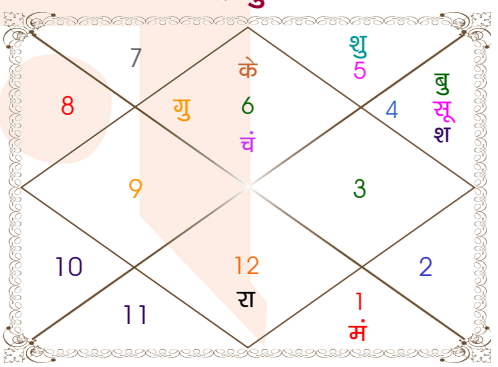

नवमांश कुंडली

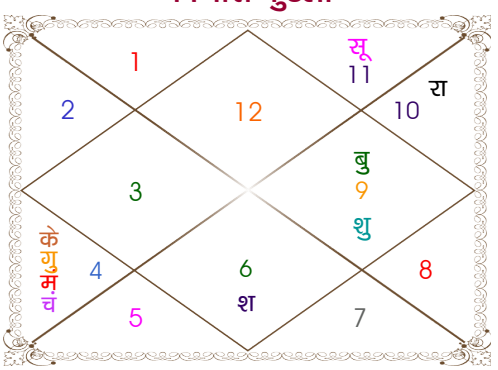

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 0 मास 9 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/08/2005		20/08/2007		20/08/2014		20/08/2032		20/08/2048	
20/08/2007		20/08/2014		20/08/2032		20/08/2048		20/08/2067	
	00/00/0000	मंगल	17/01/2008	राहु	02/05/2017	गुरु	08/10/2034	शनि	23/08/2051
	00/00/0000	राहु	03/02/2009	गुरु	26/09/2019	शनि	20/04/2037	बुध	03/05/2054
	00/00/0000	गुरु	10/01/2010	शनि	02/08/2022	बुध	27/07/2039	केतु	11/06/2055
	00/00/0000	शनि	19/02/2011	बुध	18/02/2025	केतु	02/07/2040	शुक्र	11/08/2058
	00/00/0000	बुध	16/02/2012	केतु	09/03/2026	शुक्र	03/03/2043	सूर्य	24/07/2059
	00/00/0000	केतु	14/07/2012	शुक्र	08/03/2029	सूर्य	20/12/2043	चंद्र	21/02/2061
	10/08/2005	शुक्र	13/09/2013	सूर्य	31/01/2030	चंद्र	20/04/2045	मंगल	02/04/2062
शुक्र	19/02/2007	सूर्य	19/01/2014	चंद्र	02/08/2031	मंगल	27/03/2046	राहु	06/02/2065
सूर्य	20/08/2007	चंद्र	20/08/2014	मंगल	20/08/2032	राहु	20/08/2048	गुरु	20/08/2067

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/08/2067		20/08/2084		20/08/2091		21/08/2111		21/08/2117	
20/08/2084		20/08/2091		21/08/2111		21/08/2117		00/00/0000	
बुध	16/01/2070	केतु	16/01/2085	शुक्र	20/12/2094	सूर्य	09/12/2111	चंद्र	21/06/2118
केतु	13/01/2071	शुक्र	18/03/2086	सूर्य	20/12/2095	चंद्र	09/06/2112	मंगल	20/01/2119
शुक्र	13/11/2073	सूर्य	24/07/2086	चंद्र	20/08/2097	मंगल	14/10/2112	राहु	21/07/2120
सूर्य	20/09/2074	चंद्र	22/02/2087	मंगल	20/10/2098	राहु	08/09/2113	गुरु	20/11/2121
चंद्र	19/02/2076	मंगल	21/07/2087	राहु	21/10/2101	गुरु	27/06/2114	शनि	21/06/2123
मंगल	15/02/2077	राहु	07/08/2088	गुरु	21/06/2104	शनि	09/06/2115	बुध	20/11/2124
राहु	05/09/2079	गुरु	14/07/2089	शनि	21/08/2107	बुध	15/04/2116	केतु	21/06/2125
गुरु	10/12/2081	शनि	23/08/2090	बुध	21/06/2110	केतु	21/08/2116	शुक्र	11/08/2125
शनि	20/08/2084	बुध	20/08/2091	केतु	21/08/2111	शुक्र	21/08/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।